International Journal of Social Research and Development
www.socialsciencejournal.net
Online ISSN: 2664-8709, Print ISSN: 2664-8695
Received: 25-03-2021; Accepted: 11-04-2021; Published: 30-04-2021
Volume 3, Issue 1, 2021, Page No. 49-52

आधुनिक भारत में सोशल मीडिया का प्रभाव

Dr. Mandira Gupta
Associate Professor, Department of Sociology, M.M.H. College, Ghaziabad, Uttar Pradesh, India

सारांश
पिछले दो दशकों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में तेजी से बदलाव आया है। जिसमें एक प्रमुख विकास सोशल मीडिया का उदय है। सोशल मीडिया संचार एक इंटरनेट की दुनिया में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में उपयोगकर्ताओं को आपस में बातचीत करने जानकारी साझा करने तथा वेब सामग्री बनाने की अनुमति देता है । वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली में औपचारिक व अनौपचारिक में ऑनलाइन प्रणाली को शामिल किया जाता है । ऑनलाइन प्रणाली इंटरनेट आधारित विभिन्न प्रकार की सेवाएं शामिल है जिसमें सोशल मीडिया साइट्स की सेवाओं का सबसे अधिक प्रभावशाली माना जाता है । पहले शिक्षा का माध्यम औपचारिक था तथा उसमें केवल ऑफलाइन शिक्षा शामिल थी । लेकिन सूचना एवं तकनीकी के विकास एवं प्रकार से इस में ऑनलाइन पद्धतियों को भी शामिल कर लिया गया, इसमें सबसे प्रमुख भूमिका इंटरनेट की रही है । सोशल मीडिया के कई रूप है जिनमें ब्लॉग, माइक्रो–ब्लॉग, विकी, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, फोटो–शेयरिंग साइट्स, इंस्टेंट मैसेजिंग, वीडियो शेयरिंग साइट्स, पॉडकास्ट, वर्चुअल वर्ल्ड और बहुत कुछ शामिल है । आज वर्तमान युग में चाहे वह युवा हो या वृद्ध, पुरुष हो या महिला उनके हाथ में सदैव मोबाइल विद्यमान है । जैसे पहले लोगों के हाथों में रुमाल होता था मगर आज सभी के हाथ में मोबाइल रहता है । मोबाइल की आदत इंसान पर इतना हावी हो गया है कि पल भर भी वह दूर नहीं हो सकता. जब भी वह फ्री होता है । उसका हाथ स्वत ही किसी भी समय सोशल मीडिया से कनेक्ट हो जाता है ।

मूल शब्दः सोशल मीडिया, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, सोशल नेटवर्किंग

प्रस्तावना

सोशल मीडिया का इतिहास

सोशल मीडिया की जड़ें हमारी कल्पना से भी कहीं अधिक गहरी हैं । हालांकि यह एक नए चलन की तरह लगता है, फेसबुक जैसी साइटों सोशल मीडिया के कई सदियों के विकास का स्वाभाविक परिणाम है । दूर–दूर तक संचार करने के शुरुआती तरीकों में एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को हाथ से दिए गए लिखित पत्राचार का उपयोग किया जाता था । 1792 में टेलीग्राफ का आविष्कार किया गया था जिसने संदेशों को एक घोड़े और सवार की तुलना में कहीं अधिक तेजी से लंबी दूरी तक पहुंचाने की अनुमति दी । 1865 में विकसित न्यूमेटिक पोस्ट ने प्राप्त कर्ताओं के बीच पत्रों की जल्दी से वितरित करने का एक और तरीका बनाया । 1800 के अंतिम दशक में दो महत्वपूर्ण खोजे हुई 1890 में टेलीफोन 1891 में रेडियो । यह दोनों आज भी उपयोग में है । हालांकि आधुनिक संस्करण पहले की तुलना में बहुत अधिक प्रभावी हुआ । बीसवीं सदी में तकनीक बहुत तेजी से बदलने लगे । 1940 के दशक में पहला सुपर कंप्यूटर बनने के बाद इंजीनियरों ने उन कंप्यूटरों के बीच नेटवर्क बनाने के तरीके विकसित करना शुरू कर दिया । इसके बाद ही इंटरनेट का जन्म हुआ । घरेलू कंप्यूटर अधिक उपयोग में आने के बाद 1980 के दशक तक सोशल मीडिया और प्रभावी हुआ । इंटरनेट रिले चाट या आईआरसी पहली बार 1988 में उपयोग किए गए और 1990 के दशक में भी काफी लोकप्रिय बने रहे । पहली पहचान योग्य सोशल मीडिया साइट Six डिग्री 1997 में बनाई गई थी. इसने यूजर्स को एक प्रोफाइल अपलोड करने और अन्य यूजर्स के साथ दोस्त बनाने में सक्षम बनाया । 1999 में पहली ब्लॉगिंग साइट लोकप्रिय हुई जिसने एक सोशल मीडिया सनसनी पैदा की जो आज भी लोकप्रिय है. ब्लॉगिंग के अविष्कार के बाद सोशल मीडिया की लोकप्रियता में अचानक वृद्धि होने लगी । 2000 के दशक की शुरुआत में मायस्पेस और लिंकडइन जैसी साइटों को प्रमुखता मिली और फोटोबकेट जैसे साइटों ने ऑनलाइन फोटो साझा करने की सुविधा प्रदान की । यूट्यूब 2005 में सामने आया जिसने लोगों के लिए दूर–दूर तक संचार करने और एक दूसरे के साथ साझा करने का एक बिल्कुल नया तरीका तैयार किया । फेसबुक और ट्विटर के आने के बाद 2006 में दुनिया भर में एक क्रांति आ गई यह इंटरनेट पर सबसे लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग साइट बन गई. आज सोशल नेटवर्किंग साइटों की एक जबरदस्त भरमार है ।

सोशल मीडिया के उपयोग के लाभ

दुनिया भर में अरबों लोग जानकारी साझा करने और संबंध बनाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं । व्यक्तिगत स्तर पर सोशल मीडिया मित्रों और परिवार के साथ संवाद बनाने, नई चीजें सीखने, अपनी रुचियो को विकसित करने और मनोरंजन करने की अनुमति देता है. व्यवसायिक स्तर पर हम किसी विशेष क्षेत्र में अपने ज्ञान का विस्तार करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और अपने उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ जुड़कर अपने व्यवसायिक नेटवर्क का निर्माण कर सकते हैं. कंपनी स्तर पर सोशल मीडिया हमें अपने दर्शकों के साथ बातचीत करने, ग्राहकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने और अपने ब्रांड को ऊंचा करने में मदद करता है ।

शिक्षा

सोशल मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही लाभप्रद हुआ है । कोई भी छात्र दुनिया भर के किसी भी शिक्षक को और विशेषज्ञों से अपने आप को जोड़कर सीख सकता है । यह छात्र को ज्ञान और रचनात्मकता को बढ़ाकर उनके कौशल में सुधार करने में भी मदद करता है । यहां शिक्षार्थी और शिक्षक जरूरत पड़ने पर किसी भी समय जुड़ सकते हैं जिससे समय का कोई बंधन नहीं रहता ।

सूचना और अपडेट

दुनिया में किसी भी घटना की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए तक पहुंचती है । टेलीविजन, रेडियो या समाचार पत्रों के अलावा सोशल मीडिया, सामग्री और संसाधनों की सही तस्वीर दिखा कर हमें सही जानकारी प्रदान करने में मदद करता है। यह पूरे दुनिया में सभी कोने से एक दूसरे की तस्वीर को प्रदर्शित करने में मदद करता है ।

जागरूकता

सूचना के माध्यम से सोशल मीडिया लोगों के मन में जागरूकता पैदा करता है। यह सूचना के माध्यम के रूप में कार्य करता है जो लोगों को नए विचार और कौशल तथा ज्ञान की वृद्धि के माध्यम से सफलता प्राप्त करने में मदद करता है ।

जानकारी सांझा करना सोशल मीडिया हमें अपने पसंद का कुछ भी पोस्ट करने का सबसे अच्छा प्लेटफार्म है। एक गीत हो, एक कविता हो, एक कलात्मक रचना हो, एक आकर्षक रेसिपी हो, आपकी खूबसूरत फोटो हो और भी बहुत कुछ यह किसी भी व्यक्ति की रचनात्मकता को बढ़ाता है और प्रदर्शित करता है और इसे लाखों यूजर्स तक पहुंचाने में मदद करता है ।

समुदायों के निर्माण

पूरी दुनिया में विभिन्न प्रकार के लोग मौजूद हैं. विभिन्न समुदाय, धर्म और विविध पृष्ठभूमि के लोग सोशल मीडिया पर एक ही प्लेटफार्म से जुड़ कर एक दूसरे की मदद करते हैं. यह समुदायों के बीच एकता की भावना पैदा करके उनके संबंध और मजबूत बनाने में मदद करता है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर गेम प्रेमी गेम से संबंधित समुदायों में शामिल हो सकते हैं ।

मानसिक स्वास्थ्य सोशल मीडिया के कारण मानसिक तनाव से ग्रसित लोग दुनिया भर के लोगों से सकारात्मक संबंध बनाकर अपना तनाव दूर करते हैं जिससे उनको मानसिक राहत मिलता है. सोशल मीडिया पर कई तरह के ग्रुप बने हुए हैं आप अपने विचार के अनुसार अपने तरह के लोगों से कनेक्ट हो सकते हैं और यह यह आपको सकारात्मक और खुशमिजाज बनाकर आपके मानसिक स्वास्थ्य सुधार देता है ।

विज्ञापन सेवाओं तक पहुंच अपने व्यवसाय के लिए नियमित पोस्टिंग से कुछ ज्यादा चाहते हैं तो सशुल्क विज्ञापन चलाना आगे बढ़ने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विज्ञापन चुनने के लिए कई तरह के विकल्प प्रदान करता है। विज्ञापन आपके व्यवसाय को रुचि रखने वाले लोगों से जुड़ने की अनुमति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । यह व्यवसाय की पहुंच बढ़ाने और बड़ी संख्या में नई लीड प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है ।

सोशल मीडिया मनोरंजन का साधन

सोशल मीडिया मनोरंजन का नया रूप है और अधिकांश लोग समय बताने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं । लोग अक्सर विभिन्न सोशल मीडिया नेटवर्क पर 40 से 60 मिनट बिताते हैं। और दूसरों के साथ फोटो, कमेंट, पोस्ट, वीडियो और अन्य मीडिया का आदान प्रदान करते हैं। शोध के अनुसार 88: लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम को एक नए तरह का मनोरंजन मानते हैं. यूट्यूब पर आप कोई भी गीत सुन सकते हैं, मूवी देख सकते हैं, मनोरंजन तथा ज्ञान से भरपूर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

सोशल मीडिया के उपयोग के दोष

जहां सोशल मीडिया के कई फायदे हैं वही दूसरा पक्ष नुकसानदेह भी है जिसके लिए जागरूकता की आवश्यकता है । सोशल मीडिया अक्सर दोधारी तलवार की तरह है. कई शोध बताते हैं कि यदि कोई सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक प्रयोग किया जाए तो हमारे मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है और हमें डिप्रेशन की ओर ले जा सकता है ।

गोपनीयता की समस्या सोशल मीडिया के फायदे और नुकसान को सूचीबद्ध करते समय गोपनीयता के साथ परेशानियां महत्वपूर्ण रूप से नुकसान में से एक है । अनुपयुक्त जानकारी ट्वीट करना अपने दैनिक जीवन का बहुत अधिक दर्शकों के साथ साझा करना या अनजाने में अपना ऑनलाइन स्थान साझा करना सोशल मीडिया के बार–बार उपयोग के नुकसान है यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि दुनिया भर की सुरक्षा एजेंसियों के पास सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपके द्वारा पोस्ट की जाने वाली सभी सूचनाओं तक पहुंच है ।

साइबर बुलीइंग सोशल मीडिया के नियमित उपयोग से साइबर बुलीइंग सबसे खराब पहलुओं में से एक है सोशल मीडिया में नए लोगों से मिलना और दोस्त बनाना आसान होता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन होने वाली बदमाशी साइबर बुलिंग है। फेक सोशल मीडिया अकाउंट अक्सर ट्रेस नहीं हो पाते इसका पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक रूप से परेशान करने यह चिढ़ाने के लिए किए जाते हैं। यह ऑनलाइन हमले अक्सर गहरे मानसिक निशान छोड़ जाते हैं यहां तक कि कुछ मामलों में लोगों को खुद को चोट पहुंचाने या अपनी जान लेने के लिए भी प्रेरित करते हैं ।

भावनात्मक जुड़ाव का अभाव सोशल मीडिया सामाजिक भावनात्मक संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा बन गया है। सोशल मीडिया पर बातचीत अक्सर फेक हो सकती है क्योंकि किसी अन्य व्यक्ति से भावना को महसूस करना मुश्किल होता है। नतीजतन सोशल मीडिया के उपयोग में वृद्धि के साथ भावनात्मक संबंध कम होता जा रहा है यह मुख्य रूप से इसलिए है क्योंकि भावना को संदेशों के साथ आसानी से व्यक्त नहीं किया जा सकता ।

मानसिक आघात एवं चिंता सोशल नेटवर्किंग साइट पर ज्यादा समय बिताने से मूड खराब हो सकता है । सोशल मीडिया पर हर कोई अपने जीवन की अच्छी चीज है प्रदर्शित करता है जिसको देखकर हमारे अंदर नकारात्मक भाव उत्पन्न हो सकते हैं। अन्य लोगों से अपनी तुलना करना चिंता और नाखुशी का एक निश्चित मार्ग है और लोग हीन भावना से ग्रसित हो जाते हैं ।

सोशल मीडिया के उपयोग के दुष्परिणाम

सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के दुष्परिणाम के निम्नलिखित लक्षण है ।

- डिप्रेशन
- अपराध बोध की भावना
- चिंता
- अलगाव
- समय की कोई संवेदना नहीं
- काम का टालना
- पीठ दर्द
- सिर दर्द
- अनिद्रा
- खराब व्यक्तिगत स्वच्छता
- सुर्ख आंखे
- वजन में कमी

अध्ययन का उद्देश्य

1. सोशल मीडिया में समय सीमाओं का ख्याल रखना ।
2. सोशल मीडिया का प्रभाव जानना ।

उपकल्पना

1. सोशल मीडिया में प्राप्त जानकारी सभी सच्ची नहीं होती ।
2. सोशल मीडिया का उपयोग युवा वर्ग ज्यादा करता है ।

शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध अध्ययन की प्रकृति विश्लेषणात्मक एवं वर्णनात्मक है । प्रस्तुत शोध लेख में द्वितीयक सामग्री का उपयोग किया गया है ।

संबंधित अध्ययन

सोशल मीडिया ने आज विश्वसनीयता का संकट खड़ा कर दिया है इसकी ज्यादातर खबरें गलत और दुर्भाग्यपूर्ण होती हैं. सोशल मीडिया पर मुट्ठी भर गैर जिम्मेदार लोग सक्रिय हैं लेकिन यह लोग पलक झपकते ही करोड़ों लोगों को अपना हथियार बना लेते हैं ।

शर्मा रश्मि सोशल मीडिया रूपी इस सिक्के का नकारात्मक पहलू भी है. वर्चुअल स्पेस में फेसबुक, ट्विटर, युटुब ऐसे मंच है जहां युवाओं को समाज से जोड़ने और अपनी बात कहने का मंच दिलाता है. लेकिन साथ ही यह उनके लिए नई चुनौतियां भी खड़ी कर रहा है और यह चुनौतियां आसान नहीं है, कड़े संघर्षों से भरी है ।

भारत में सोशल मीडिया का उपयोग समाज से जुड़े हर वर्ग के लोग कर रहे हैं । इनमें अधिकांश लोग ऐसे स्मार्टफोन धारक हैं जो इसकी संवेदनशीलता से अनजान है और सिर्फ दूसरों की देखा–देखी फेसबुक और ट्विटर पर सक्रिय है । सरकार इसकी बढ़ती लोकप्रियता के समानांतर उन कानूनी उपायों के प्रति भी लोगों को जागरूक करें जिसका इस्तेमाल विचारों के सैलाब को बेकाबू होने से रोकने में किया जा सकता है ।

मैक्लेन, एस. के अनुसार हम समुदायों को आपदा के क्षेत्रों को छोड़ने, या बाहर निकलने और एक अभ्यास कार्यक्रम के भाग के रूप में अधिक चलने के लिए जुटप्ते हैं । अगर हम चाहते हैं कि लोग संचार संदेश पर विचार करें और कार्य करें तो हमें सबसे पहले दर्शकों का ध्यान आकर्षित करना होगा ।

Seth Godin, के अनुसार किसी संदेश के वायरल होने में यह घटक बहुत ही महत्वपूर्ण होता है. अगर सोशल मीडिया के माध्यम से कोई ऐसा संदेश प्रसारित किया जा रहा है जिसकी तत्कालिक है तो निश्चय उसका प्रभाव सर्वाधिक होगा । हाल के दिनों में कई ऐसे उदाहरण देखने को मिले हैं जब किसी घटना विशेष के बाद उससे संबंधित संदेशों की बाढ़ सी आती है और देखते ही देखते यह वायरल संदेश का रूप धारण कर लेते हैं ।

प्रोफेसर डग्लस, वर्ष 1994 में प्रकाशित अपनी किताब मीडिया वायरस में लिखते हैं कि बड़ी कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए निशुल्क ईमेल सेवा के माध्यम से लोगों को मेल भेजती थी. जैसे ही कोई मैसेज किसी संवेदनशील व्यक्ति तक पहुंच जाता था वह व्यक्ति विज्ञापन के उस जाल में फंस जाता और इस तरह कंपनी को अपने टारगेट ग्राहक तक सीधे पहुंचने का मौका मिल जाता ।

विश्व प्रसिद्ध टेलीकॉम कंपनी एरिक्सन ने 2019 के अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया का सबसे सस्ता इंटरनेट डाटा भारत में मिलता है और यहां प्रति योजन 9.8 जीबी इंटरनेट डाटा प्रति महीना है ।

रमेश कुमार साहू एवं अन्य ने 2020 में छोटे स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य के 10 विभिन्न संवर्ग वाले विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच किए गए अध्ययन में 16% प्रतिभागियों को गंभीर रूप से इंटरनेट का लती पाया जबकि 76% प्रतिदिन सुबह उठने के बाद सबसे पहले अपने स्मार्टफोन की जांच करते हैं ।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध लेख में सोशल मीडिया के उपयोग के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों को जानने के उपरांत यह निष्कर्ष के तौर पर स्पष्ट होता है सोशल मीडिया की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में सूचना क्रांति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और सूचना क्रांति की ही उपज सोशल मीडिया को लेकर भी कई सवाल उठने लगे हैं यह सवाल है क्या सोशल मीडिया हमारे समाज में ध्रुवीकरण की स्थिति उत्पन्न कर रहा है? तथा समाज की प्रगति में सोशल मीडिया की क्या भूमिका होनी चाहिए? हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां हम सूचना के न केवल उपभोक्ता है बल्कि उत्पादक भी हैं। प्रतिदिन कई बिलियन लोग फेसबुक पर, ट्विटर पर, इंस्टाग्राम पर लॉगइन करते हैं और तस्वीरें पोस्ट करते हैं । सोशल मीडिया वर्तमान समय में सबसे बड़े साधन के रूप में उभर कर आया है और दिन प्रतिदिन इसकी लोकप्रियता में वृद्धि हो रही है ।

सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव की बात की जाए तो यह समाज के सामाजिक विकास में मदद करता है । सोशल मीडिया का उपयोग केवल नकारात्मक कार्यों के लिए नहीं होता, वरन लोगों का आपस में जोड़ना, परिवार, मित्रों और सहयोगियों को एक दूसरे की मदद करने का प्लेटफार्म है। सोशल मीडिया के माध्यम से हम विदेश में रह रहे अपने लोगों को वीडियो कॉल से देखना वह सुनना है कितना ही सुखद एहसास दिलाता है ।

सोशल मीडिया मार्केटिंग जैसे उपकरण द्वारा लाखों संभावित ग्राहकों तक पहुंच स्थापित की जा सकती है और समाचार का प्रेषण किया जा सकता है। सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता उत्पन्न करने के संदर्भ में सोशल मीडिया एक बेहतरीन प्लेटफार्म है जिसके द्वारा समान विचारधारा वाले लोगों के साथ संपर्क भी स्थापित किया जा सकता है. विश्व के कोने तक अपनी बातों को कम समय में तेज गति से अधिकतम लोगों तक पहुंचाने के लिए यह एक सर्वश्रेष्ठ साधन बन चुका है। इसके द्वारा ऑनलाइन जानकारी का तेजी से स्थानांतरण होता है। ऑनलाइन रोजगार के बेहतरीन अवसर प्राप्त होते हैं. साथ ही व्यवसाय, चिकित्सा, नीति निर्माण को भी प्रभावित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है वर्तमान समय में शिक्षक एवं छात्रों द्वारा फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन आदि जैसे प्लेटफार्म का प्रयोग किया जा रहा है इसके द्वारा शिक्षक एवं छात्रों के मध्य दूरी कम हो गई है. स्काइप, व्हाट्सएप और अन्य जगहों पर इसके मदद लाइव चौट करते हैं. सोशल मीडिया के कारण शिक्षा आसान हो गई है ।

हर एक सिक्के के दो पहलू होते हैं इसी तरह सोशल मीडिया हमारे लिए उपयोगी है तो वही सोशल मीडिया के अधिक प्रयोग से सोने की आदतों में बदलाव, साइबर अपराध, बच्चों के प्रति लगातार बढ़ते दबाव और एक प्रभावशाली प्रोफाइल, युवाओं को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रही है। अधिक व्यस्तता के कारण अन्य कारकों के लिए कार्यों के लिए बहुत कम समय बचता है एवं अन्य गंभीर मुद्दों की उत्पत्ति होती है जैसे ध्यान कम लगना चिंता एवं अन्य मुद्दे इससे अधिक प्रयोग एवं गोपनीयता से निजता में कमी आती है ।

जैसे–जैसे मानव समाज विकास की ओर अग्रसर हो रहा है वैसे–वैसे अपराधी भी नई नई तकनीक व अत्याधुनिक उपकरणों से लैस हो रहे हैं. वर्तमान समय में साइबर अपराध भी सक्रिय है जिस कारण उपयोगकर्ता को साइबर अपराध जैसी है की पहचान संबंधी अपराध के प्रति संवेदनशील बनाता है । जैसा कि हम जानते हैं कि का सही फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के साथ–साथ गलत इस्तेमाल भी किया जा सकता है. जो कि अक्सर देखने को मिलता है यह इस दिशा में एक प्रयास किस प्रकार एक सकारात्मक प्रयोग नकारात्मक उपयोग में परिवर्तित होता है और समाज के लिए हानिकारक बन जाता है। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय उपभोक्ता की तरह व्यवहार नहीं कर सकते,

एक जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करना होगा । सोशल मीडिया के दोहरे पक्षों में भी तालमेल बिठाना होगा । सोशल मीडिया के उपयोग का समय निश्चित कर धीरे–धीरे लट को कम करने का प्रयास करना होगा । जैसा कि गोयल कहते हैं कि "भारत में इंटरनेट का प्रयोग बहुत अधिक है, विशेष रूप से आबादी" इसलिए युवा पीढ़ी की समय प्रबंधन की समस्या पर अभिभावक को विशेष ध्यान देना होगा ताकि युवा पीढ़ी मीडिया की चकाचौंध में गुमराह ना हो जाए. वर्तमान समय में युवा ही नहीं अपितु समाज में रहने वाले सभी वर्गों में सोशल मीडिया के प्रति झुकाव की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है यदि इन पर नियंत्रण नहीं लगाया गया तो समाज में विभिन्न रिश्तो और परंपराओं में भावनात्मक कमी आ जाएगी ।

References

1. http:abpnews.abplive.in/blog/mukesh-kumar-singh-blog-on-social-media.
2. शर्मा रश्मि, आशा संपादक, "मीडिया का बाजार और बाजार का मीडिया" नई गीता नई किताब दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2014, P 70.
3. http://www.dw.com/hi/सोशल मीडिया पर जागरूकता की जरूरत
4. M.Cleen S. "A communication Analysis of Community Mobilization on the Warm Spring Indian Rreservation" Journal of Health Communication, Taylor and Francis, Philadelphia, 117.
5. Seth, Godin (2000). Unleashing the Ideavirus Hyper, Hyperion, P. 169.
6. Rushkoff, Douglas "Media Virus: Hidden Agenda in Popular Culture" Ballantine books, 1994. P. 237.
7. Ericsson Annual Report 2019.
8. Sahu, R.K. and Rajput D.S., Study on Internet Addiction and their impacts among higher educational students in Raipur and Bilaspur District of Chhattisgarh, Journal of Engineering Sciences, 2020:4(11):l.
9. http://smallbiztrends.com/2013/05/the-complete-history-of-social-media-infograohics.